प्र० अच्छे पाठ्यक्रम निर्माण में शिक्षकों की सहभागिता का वर्णन कीजिए-

पाठ्यक्रम में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है शिक्षक का सीधा सम्बन्ध बालो से होता है, शिक्षक बालकों के सर्वांगीण विकास करने में सहायक होता है। वह बालों को प्रगति की राह दिखाने वाला एक पथ प्रदर्शक होता है
शिक्षक न केवल कक्षा मे अपितु कॉलेज में उचित वातावरण का निर्माण करता है सभी बालकों की प्रगति के प्रति उदार, पक्षपात रहित व सहानुभूति व्यवहार रखता है।
शिक्षक पाठ्यक्रम निर्माण मे मुख्य तथ्यो पर ध्यान देते है कि की बालको की योग्यता, क्षमता. रुचि आदि के अनुसार शिक्षा प्रदान करता है।
बालो की आवश्यकता व प्रकृति के अनुसार शिक्षक शिक्षण पद्धति को अपनाता है। कालेज मे किसी भी क्रिया को सिखाने का दायित्व शिक्षक का होता है शिक्षक पाठ्यक्रम निर्माण मे वह बालों को ज्ञान की व क्रिया का अधिगम कराने की उचित वातावरण तैयार करता है।

अतः शिक्षक को शिक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया मे सिद्धहस्त होना आवश्यक है।

1 पाठ्यक्रम निर्माण मे शिक्षक एक निर्देशक की भूमिका मे -

शिक्षक का मुख्य कार्य ज्ञान का स्थानान्तरण करना एवं छात्रों तक सूचनाओं को पहुँचाना है शिक्षक का सारा ध्यान पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षा के उद्देश्यो को प्राप्त करना एवं सर्वांगीण विकास करना।
शिक्षक छात्रो मे सहनशीलता, धैर्य और विश्वास के प्रति सकारात्मक रवैया का गुण, निर्देशित करने का प्रयास करे।

2- पाठ्यक्रम के माध्यम से ज्ञान के उत्पादक के रूप में —

एक शिक्षक से आशा की जाता है कि वह पाठ्यक्रम के माध्यम से सदैव ज्ञान का विस्तार करे तथा स्वयं को अप-टू-डेट रखे।
शिक्षक से आशा की जाती है कि वह नए-नए अनुसन्धानों में सहयोग दे तथा स्वयं भी अनुसंधान कार्य करें एक शिक्षक को चाहिए कि वह नई-नई खोजों के बारे में जाने तथा नये ज्ञान को छात्रो तक पहुँचाए।

Scanned with CamScanner

3. शिक्षक पाठ्यक्रम निर्माता एवं मूल्यांकनकर्ता के रूप में —

पाठ्यक्रम निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर की एजेन्सियाँ पाठ्यक्रम व अनुदेशन सामग्री का निर्माण कर शिक्षकों के हाथ में दे देती हैं पाठ्यक्रम का बोझिल तथा अप्रसांगिक हो जाता है।
अतः पाठ्यक्रम निर्माण बालकेन्द्रित शिक्षा को ध्यान में रखकर शिक्षकों से पाठ्यक्रम निर्माण एवं मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

शिक्षक पाठ्यक्रम निर्माण में सक्रिय सहभागिता की भूमिका है तथा वह एक चिन्तनशील व्यवसायी के रूप में भी अपनी भूमिका का पूरी कुशलता से निर्वहन करता है। शिक्षक की नितांत भिन्न और महत्वपूर्ण भूमिका परामर्शदाता के रूप में जब कभी विद्यार्थी के समक्ष कोई समस्या आती है चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, शैक्षिक या मनोवैज्ञानिक उनके समाधान के लिए शिक्षक उचित उपायों व अनुक्रियाओं को अपनाने में विद्यार्थी की सहायता करता है। इस प्रकार शिक्षक शैक्षणिक परिवेश में विभिन्न भूमिकाओं का निर्वहन कुशलता से करता है। —

Scanned with CamScanner